8 हाथ का झूला

आठ हाथ का झूला

इस पुस्तक में....

समीर, रिहाना, सारा और मनु ने खेल-खेल में ही मापन को समझ लिया! 8 हाथ का झूला बनाते हुए सभी यह समझ पाए कि कितनी लम्बी रस्सी लेनी है और उसे कैसे मापना है? मापने के लिए किसी पैमाने की जरूरत है, जैसे कि हाथ, छड़ी या स्केल, ये भी वे जान पाए।

इस कहानी में अनुमान लगाने की स्थिति भी दिखाई गई है - जब पिताजी बताते हैं कि कितनी रस्सी लगेगी, तो वह उनका अनुमान है। मापन पर काम करवाते हुए माप का अनुमान लगाने का अवसर दें और फिर माप करके अपने अनुमान की सटीकता को जाँचने के लिए कहें। जैसे, ये कमरा लगभग कितने कदम लंबा होगा? इस तरह के प्रश्नों में बच्चे अनुमान लगाएं और फिर मापन कार्य करें।

इस तरह के दोहराव से अनुमानित और असल के बीच का फासला लगातार कम होता जाता है और बच्चों की समझ भी पक्की होती है।

Copyright © 2024 Vikramshila Education Resource Society
All rights reserved.

चलो रिहाना, इस पुराने टायर का झूला बनाते हैं।

झूला ! वो कैसे?
अरे, रस्सी पेड़ पर बांध कर! रोहन के घर में मैं ऐसे झूले पर खूब झूला हूँ। बड़ा मजेदार होता है!
अच्छा, चलो समीर हम भी बनाते हैं झूला!

तभी पिता जी आ गए।
क्या हो रहा है बच्चों?
पिताजी, हम इस पुराने टायर का झूला बना रहे हैं। क्या आप हमें रस्सी देंगे?
जाओ चाची से 8 हाथ की रस्सी ले आओ।

चाची, हमें रस्सी चाहिए। हम झूला बना रहे हैं।
अरे वाह! कितनी रस्सी चाहिए?
8 हाथ लम्बी!

ये रही रस्सी। इसमें से
8 हाथ रस्सी ले लो।

ये लो टायर में रस्सी बंध गई। अब मैं इसे पेड़ की मोटी टहनी से लटकाती हूँ।

यह झूला है तो अच्छा, मगर इस पर चढ़ें कैसे? मैं तो इस पर कूद कर भी नहीं चढ़ पाऊँगी!
हाँ ये तो बहुत ऊंचा है! इस पर तो मैं भी नहीं चढ़ पाऊँगा!

अरे बच्चों, ये रस्सी तो छोटी पड़ गई।
आपने 8 हाथ बोला था, मैं 8 हाथ लाया!
ओहो! गलती मेरी है! रिहाना तुम भी अपना हाथ फैलाओ।
समीर, ध्यान से दोनों हाथों को देखो। अब क्या तुम बता सकते हो, कि गलती क्या हुई?

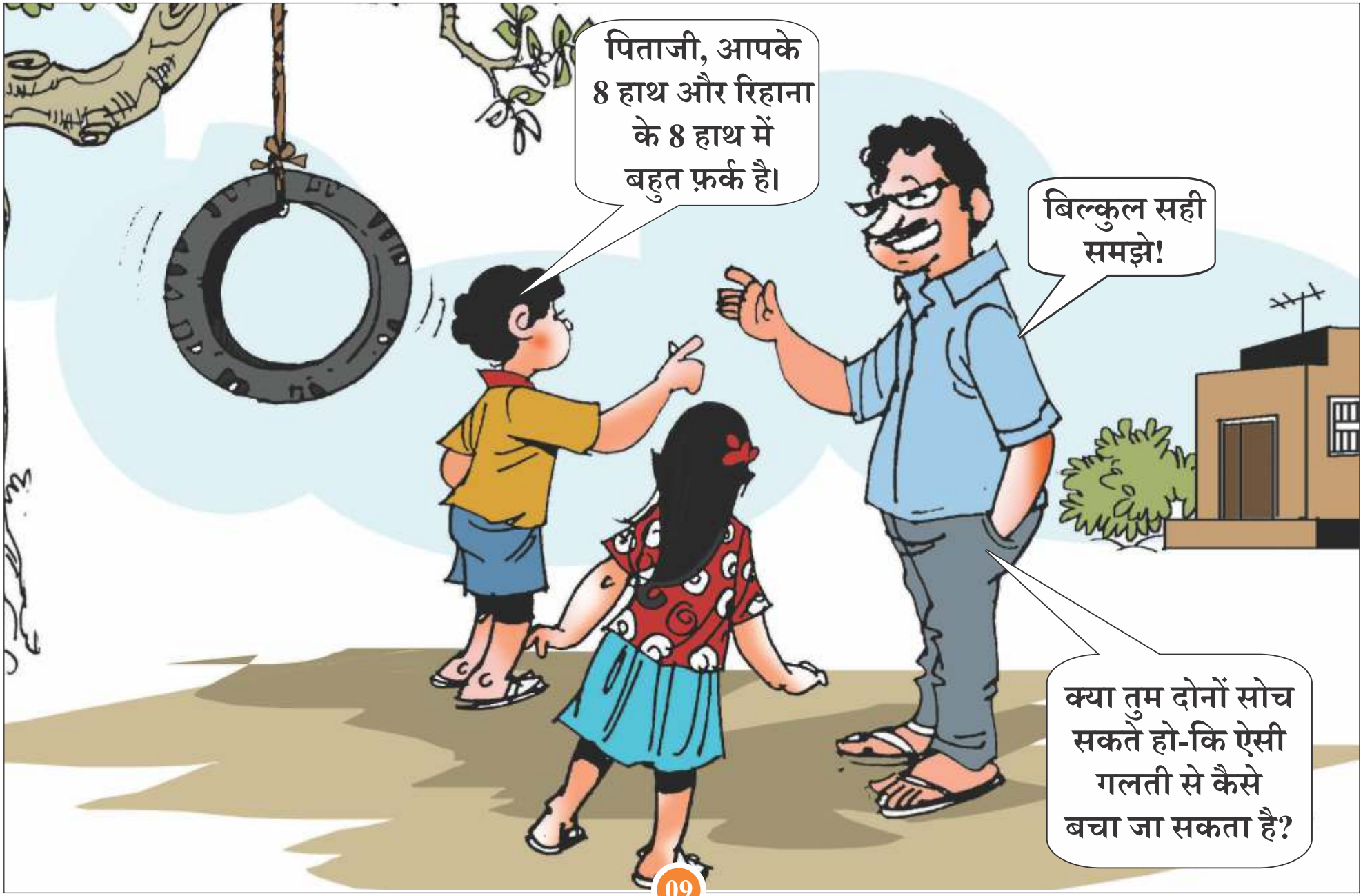
पिताजी, आपके 8 हाथ और रिहाना के 8 हाथ में बहुत फ़र्क है।
बिल्कुल सही समझे!
क्या तुम दोनों सोच सकते हो-कि ऐसी गलती से कैसे बचा जा सकता है?

समझ गई! कोई ऐसा माप ढूँढ़ना होगा जो सबके लिए एक ही हो!
अगर इस छड़ी से नापें तब तो गलती नहीं होगी ना!
इस छड़ी से पिताजी नापें या हम, रस्सी की माप एक ही मिलेगी!

कितनी रस्सी लानी होगी पिताजी?
8 छड़ी लंबी रस्सी से काम बन जाएगा।

आज तो मजा ही आ गया !
पता भी नहीं चला और दोपहर से शाम हो गई!

सारा और मनु भी आए।
सारा, हमारे घर में भी तो पुराना टायर और रस्सी है।
हाँ मनु, हम भी झूला बनाएंगे। बताओ न समीर कैसे बनाएं?
हाँ..हाँ, क्यों नही?

झूला है तो अच्छा पर कुछ ज्यादा ही नीचा है।
क्या तुमने 8 छड़ी से ज्यादा रस्सी ले ली?

हाँ, पूरी 8 छड़ी के बराबर रस्सी, ठीक जैसा तुमनें कहा था।
क्या तुमने ये छड़ी ली थी?
ये छड़ी तो हमारी छड़ी से बड़ी है!

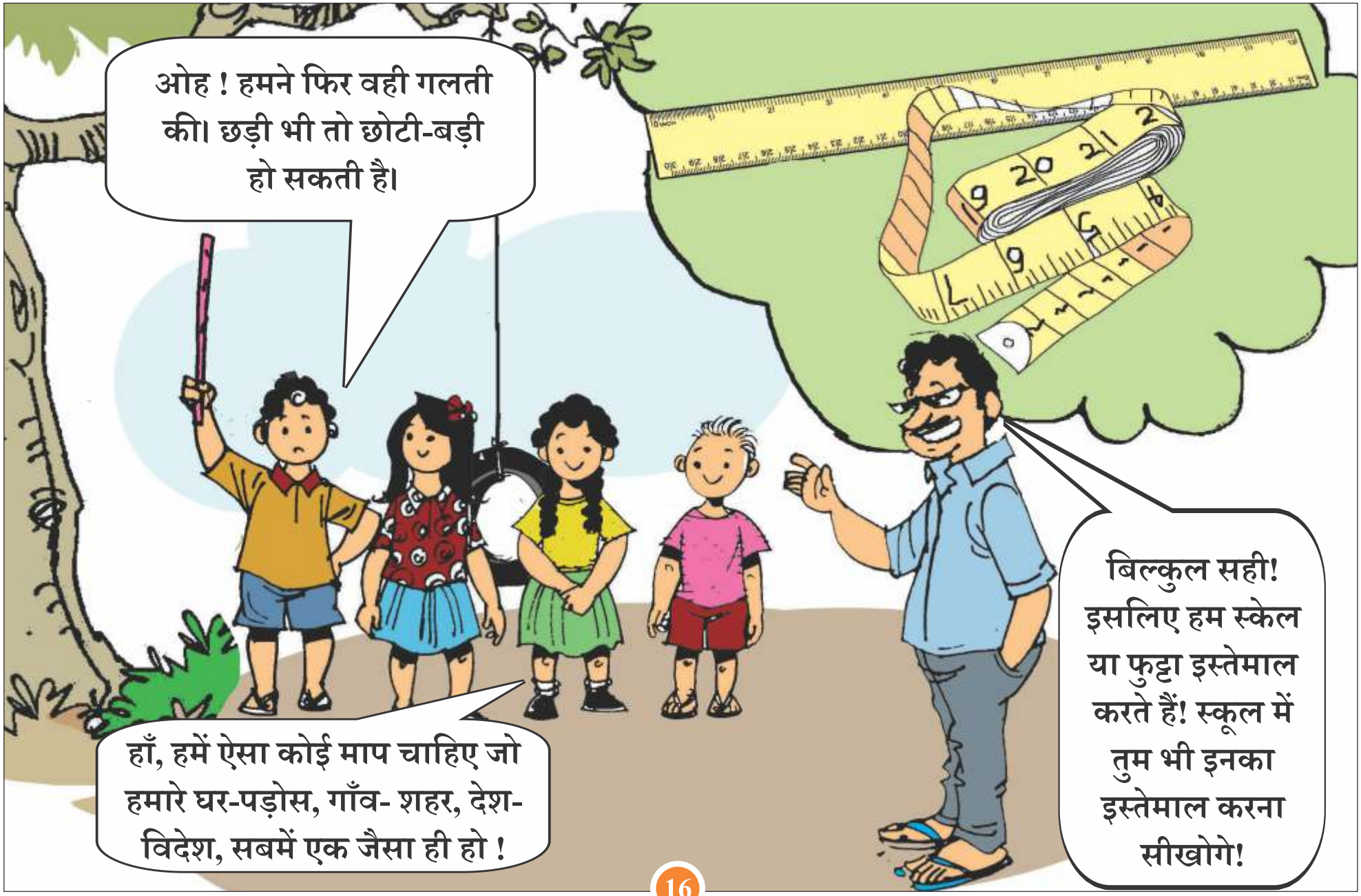
ओह ! हमने फिर वही गलती की। छड़ी भी तो छोटी-बड़ी हो सकती है।
हाँ, हमें ऐसा कोई माप चाहिए जो हमारे घर-पड़ोस, गाँव- शहर, देश-विदेश, सबमें एक जैसा ही हो !
बिल्कुल सही! इसलिए हम स्केल या फुट्टा इस्तेमाल करते हैं! स्कूल में तुम भी इनका इस्तेमाल करना सीखोगे!

गैर-मानक (असमान)

बित्ता

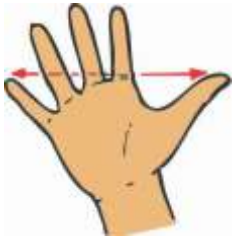

हाथ

कदम

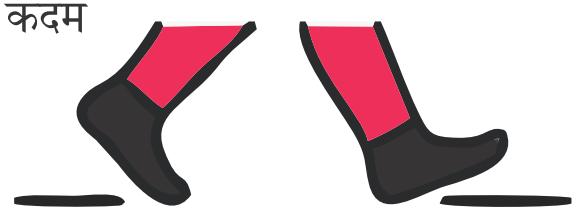

गैर-मानक (समान)

रस्सी

डंडा

पेंसिल .

मानक

स्केल

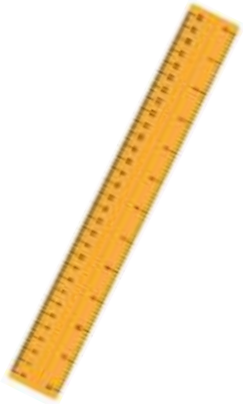

फीता/टेप

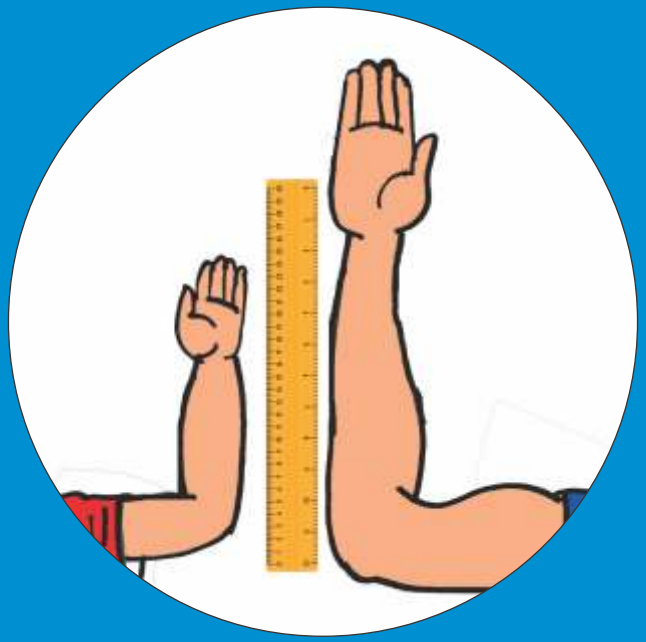

सत्र 2025-2026

उत्तर प्रदेश शासन

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

Content developed by Vikramshila Education Resource Society

Illustrated by Ram babu Pal